RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 8 NOVEMBER TO 14 NOVEMBER 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 8 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

कोविड का नया वेरिएंट JN.1 वैक्सीन और इम्यूनिटी भी है बेकार
Page 3

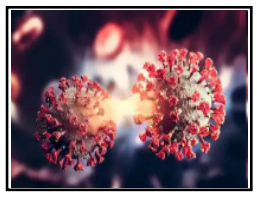

भारत के खजाने में आया उछाल, सोना भी बढ़ा, उधर जानिए पाकिस्तान के क्या हैं हाल
Page 4

आम आदमी के आंसू निकाल रहा प्याज सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी कम नहीं हो रहे दाम
Page 7

editoria!

नो पॉलिटिक्स प्लीज

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पंजाब सरकार की ओर से दायर एक याचिका की सुनवाई करते हुए राज्यपालों की भूमिका पर जो कुछ कहा, वह सभी संबंधित पक्षों के लिए चेतावनी की तरह है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने अभी उन सबको आत्मावलोकन की सलाह भर दी हो, लेकिन यह स्थिति सचमुच चिंताजनक है कि राज्यपालों से सामान्य जिम्मेदारी का निर्वाह कराने के लिए भी राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। आखिर विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। उसकी प्रक्रिया भी पहले से तय है। राज्यपाल या तो उसे राज्य सरकार को दोबारा विचार के लिए लौटा सकते हैं या फिर उसे राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं। किसी भी स्थिति में उन बिलों को लटकाए रखने का भला क्या औचित्य हो सकता है। और यह अकेले पंजाब का मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में तेलंगाना की सरकार भी राज्यपाल के खिलाफ ऐसी ही शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट आई थी। केरल और तमिलनाडु दो और राज्य हैं, जो इसी कतार में खड़े नजर आते हैं। केरल की ओर से सीनियर एडवोकेट केके वेणुगोपाल ने सीजेआई की बेंच के सामने अर्जेंट लिस्टिंग की अर्जी डाल रखी है जबकि तमिलनाडु के मामले पर इसी महीने की 10 तारीख को सुनवाई होनी है। गौर करने की बात यह है कि इन सभी राज्यों में गैर बीजेपी दलों की सरकार है। स्वाभाविक ही पहला संदेह यही होता है कि कहीं राज्यपालों की इस भूमिका के पीछे राजनीतिक समीकरणों की तो कोई भूमिका नहीं है। यह भूमिका हो या न हो, ऐसा विवाद पैदा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह के मामलों में तो सभी पक्षों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए ताकि गलती से भी यह संकेत न जाए कि देश में संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में राजनीति आड़े आ रही है। साफ है कि इस कसौटी पर शासन तंत्र अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं दिखा पा रहा। हालांकि इसके लिए किसी भी एक पक्ष पर पूरा दोष नहीं डाला जा सकता। अगर पंजाब की ही बात करें तो बिलों को मंजूरी मिलने में हुई देरी का सवाल अपनी जगह जायज हो सकता है, लेकिन विधानसभा की बैठकों के बीच तीन महीने के अंतराल का भला क्या औचित्य हो सकता है। विधानसभा का बजट सत्र मॉनसून सत्र से जा मिला। राज्य सरकार कानूनी व्याख्याओं का सहारा भले लेती रहे, यह बात स्थापित परंपराओं के खिलाफ है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि आत्मचिंतन की जरूरत सभी पक्षों को है। संविधान में सबके अधिकारों और कर्तव्यों की सीमाएं स्पष्ट रूप से बताई गई हैं। जरूरत सिर्फ इन्हें सही रूप में समझने और उनका पालन करने की है। उम्मीद की जानी चाहिए कि पंजाब के मामले में दी गई सुप्रीम कोर्ट की नसीहत को अन्य राज्यों में भी सबक की तरह लिया जाएगा।

डिमांड घटने से कच्चा तेल कमजोर

4% टूटकर ब्रेंट क्रूड 81 डॉलर तक फिसला

नई दिल्ली। एजेंसी

क्रूड ऑयल के भाव तीन महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं। कम होती डिमांड के बीच मंगलवार को 4.2ऱ्र की गिरावट के साथ ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट 81 डॉलर/बैरल पर आ गया है।

अमेरिकी में गैसोलीन की गिरती डिमांड

बता दें अमेरिका में गैसोलीन की मांग नीचे जाने के चलते क्रूड ऑयल कीमतों के कम होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अमेरिकी सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, पर कैपिटा आधार पर अमेरिकी गैसोलीन डिमांड अगले साल, 20 साल के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच जाएगी। इजरायल हमास जंग से सप्लाई पर फर्क नहीं। इजरायल-हमास जंग के तीन हफ्ते हो चुके हैं, इसके चलते जो उछाल बरकरार रहना था, अब वो भी नजर नहीं आ रहा है और डिमांड आउटलुक भी कमजोर नजर आ

रहा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, इस लड़ाई का मिडिल ईस्ट की ऑयल सप्लाई पर अब तक कोई असर नहीं हुआ है, जहां से दुनिया का लगभग एक तिहाई क्रूड सप्लाई होता है।

चीन और अमेरिका में मांग के भविष्य पर चिंता

चीन दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल इंपोर्टर है, लेकिन इसकी इकोनॉमी को लेकर अभी चिंताएं जताई जा रही हैं। ऊपर फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाए जाने की स्थिति पर भी नई शंकाएं ऊपज आई हैं। लेकिन ध्ईंद्ध ने डिमांड को लेकर पॉजिटिव आउटलुक दिखाया है। मंत्री स्तरीय बैठक से पहले ध्ईंद्ध के सेक्रेटरी जनरल हैथम अल-घायस ने लंदन में आरगस यूरोपियन क्रूड कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम डिमांड को लेकर पॉजिटव हैं। सप्लाई की बात करें, तो रशियन शिपमेंट चार महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर चल रहे हैं. जबकि इंडस्ट्री डेटा बताता है कि ळए क्रूड भंडार बीते हफ्ते ही करीब 12 मिलियन बैरल बढ़ गया है। कुल-मिलाकर आने वाले हफ्तों में कई नए डेवलपमेंट देखने को मिल सकते हैं।

तूफानी तेजी से बढ़ेगी भारत की अर्थव्यवस्था

फिच ने बढ़ाई ग्रोथ रेट

चीन की जीडीपी को लग सकता है बड़ा झटका

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी रेटिंग एजेंसी एजेंसी Fitch का कहना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर टॉप-10 उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा रहने वाली है। यही नहीं इग्म्प ने सोमवार को भारत के मिड टर्म ग्रोथ अनुमान को 0.7% बढ़ाकर 6.2% कर दिया। इससे पहले ग्लोबल एजेंसी का अनुमान 5.5% का था।

फिच की मानें तो हालिया महीनों में भारत में रोजगार दर में सुधार हुआ है। वर्किंग एज पॉपुलेशन के फोरकास्ट में भी सुधार आया है। फिच के अनुसार, भारत की श्रम उत्पादकता का अनुमान भी अन्य देशों की तुलना में बेहतर है।

वहीं, इसने 10 उभरते देशों के ग्रोथ अनुमान को पहले के 4.3% से घटाकर 4% कर दिया है। इसके लिए फिच ने चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट को जिम्मेदार ठहराया है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 'यह कमी मुख्य रूप से चीन की सप्लाई-साइड ग्रोथ पोटेंशियल के अनुमान में 0.7% अंक की बड़ी कमी के कारण आई है।' चीन के मिड टर्म ग्रोथ अनुमान को 5.3 फीसदी से घटाकर 4.6 फीसदी कर दिया गया है।

क्या कहा रिपोर्ट में

'हमने भारत और मैक्सिको को बड़े पैमाने पर अपग्रेड किया है। भारत के ग्रोथ अनुमान को 5.5% से बढाकर 6.2% जबकि मेक्सिको के ग्रोथ अनुमान को 1.4% से बढाकर 2% किया गया है। फिच ने कहा है कि 2023-24 के लिए भारत की विकास दर 6.3% रहने की उम्मीद है।

ये चिंता भी है

फिच ने मध्यम अवधि 2023 से 2027 को माना है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार, भागीदारी दर में नकारात्मक वृद्धि के अनुमान को देखते हुए भारत की अनुमानित श्रम आपूर्ति वृद्धि 2019 की तुलना में कम है। हालांकि, भागीदारी दर अपनी कोविड-19 महामारी की नरमी से उबर गई है, लेकिन यह 2000 के दशक की शुरुआत में दर्ज स्तर से काफी नीचे बनी हुई है। महिलाओं के बीच रोजगार दर कम है।

रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 83.23 प्रति डॉलर पर

आईपीटी नेटवर्क

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख तथा विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के बीच बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये ने एक सीमित दायरे में कारोबार किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी कोषों की सतत निकासी ने भी निवेशकों की धारणा प्रभावित की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.25 पर खुला और फिर 83.23 के स्तर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.27 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.05 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81.63 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 497.21 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

अदाणी समूह के संयुक्त उद्यम में 55.3 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी अमेरिकी संस्था

एजेंसी

कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड में यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएफसी) 55.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा। डीएफसी अमेरिकी सरकार की विकास वित्त संस्था है। कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड में यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएफसी) 55.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा। डीएफसी अमेरिकी सरकार की विकास वित्त संस्था है।

कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड भारत के सबसे बड़े बंदरगाह प्रबंधक अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड, श्रीलंका के प्रमुख उद्यम जॉन कील्स होल्डिंग्स (जेकेएच) और श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के अधीन है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इस राशि का इस्तेमाल कोलंबो बंदरगाह में गहरे पानी के शिपिंग कंटेनर टर्मिनल के विकास के लिए किया जाएगा।

बयान के अनुसार, "(यह) निजी क्षेत्र नीत वृद्धि को सुविधाजनक बनाएगा और श्रीलंका के आर्थिक सुधार में सहायता के लिए महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा को आकर्षित करेगा।" बयान के अनुसार, अमेरिका, भारत और श्रीलंका 'स्मार्ट' तथा हरित बंदरगाहों जैसे टिकाऊ बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देंगे।

अदाणी समूह के सीईओ बोले- अमेरिकी सहयोग का स्वागत है

एपीएसईज़ेड के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) करण अदाणी ने कहा, "हम अदाणी परियोजना के वित्तपोषण में अमेरिकी सरकार के विकास वित्त संस्थान यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएफसी) के सहयोग का स्वागत करते हैं।"

उन्होंने कहा, 'कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल परियोजना पूरी होने पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से नए रोजगार का सृजन करेगी और श्रीलंका के व्यापार तथा वाणिज्य पारिस्थितिकी तंत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देगी। यह न केवल कोलंबो में बल्कि पूरे द्वीप में सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदल देगी।'

डीएफसी के सीईओ बोले- श्रीलंका ऋण में वृद्धि के बिना अधिक समृद्ध होगा

डीएफसी के सीईओ स्कॉट नाथन ने कहा कि श्रीलंका दुनिया के प्रमुख पारगमन केंद्रों में से एक है, सभी कंटेनर जहाजों में से आधे जहाज इसके जल क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा, "वेस्ट कंटेनर टर्मिनल के लिए निजी क्षेत्र के ऋण में डीएफसी की 55.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर की प्रतिबद्धता इसकी माल की आवाजाही की क्षमता को बढ़ाएगी। इससे श्रीलंका ऋण में वृद्धि के बिना अधिक समृद्ध होगा, साथ ही पूरे क्षेत्र में हमारे सहयोगियों की स्थिति मजबूत होगी।"

श्रीलंका में अमेरिकी राजदूत जूली चुंग ने कहा कि कोलंबो बंदरगाह के वेस्ट कंटेनर टर्मिनल के दीर्घकालिक विकास के लिए डीएफसी द्वारा 55.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश श्रीलंका में निजी क्षेत्र नीत विकास को सुविधाजनक बनाएगा और इसके आर्थिक सुधार के दौरान महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा प्रवाह को आकर्षित करेगा। जॉन कील्स होल्डिंग्स के प्रमुख कृष्ण बालेंद्र ने कहा कि डीएफसी का निवेश वेस्ट टर्मिनल परियोजना की क्षमता का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में सुधार के साथ निवेशकों के विश्वास को बढ़ावा मिला है।

कच्चे तेल की कीमत में भारी गिरावट

जुलाई के बाद सबसे निचले लेवल पर पहुंचा, जानें करेंट रेट

नई दिल्ली। एजेंसी

कच्चे तेल की कीमत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत में बीते मंगलवार को 4 प्रतिशत से भी ज्यादी की गिरावट हो गई है। यह बीते जुलाई महीने के आखिरी दिनों के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। रॉयटर्स की खबर के मुताबिक, इसके पीछे वजह चीन का मिक्स्ड इकोनॉमिक डाटा और तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक के निर्यात ने तंग बाजारों को लेकर आशंकाओं को कम कर दिया जिससे डॉलर मजबूत हो गया।

इजरायल पर हमास की तरफ से बीते 7 अक्टूबर को हुए हमले के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड वायदा 84 डॉलर प्रति बैरल (Crude oil price) से नीचे बंद हुआ। ग्लोबल बेंचमार्क 3.57 डॉलर या 4.2% की गिरावट के साथ 81.61 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड वायदा 3.45 डॉलर या 4.3% की गिरावट के साथ 77.37 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

खबर के मुताबिक, ओएएनडीए के एनालिस्ट क्रेग एर्लाम का कहना है कि क्षेत्र में उभर रहे व्यापक संघर्ष के संकेतों को देखते हुए कारोबारी बेहद सतर्क रहेंगे। इससे सप्लाई बाधित हो सकती है, लेकिन ऐसा लगता है कि ये आशंकाएं कम हो रही हैं। यूबीएस विश्लेषक जियोवन्नी स्टैनोवो ने कहा कि पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन की तरफ से तेल (Crude Oil) निर्यात में सुधार से भी कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। ओपेक कच्चे तेल का निर्यात अगस्त के निचले लेवल से करीब 1 मिलियन बैरल प्रति दिन बढ़ गया है।

अक्टूबर में चीन के कच्चे तेल (Crude Oil) के आयात में मजबूत बढ़ोतरी देखने को मिली। लेकिन वस्तुओं और सेवाओं के कुल निर्यात में उम्मीद से ज्यादा तेजी से गिरावट आई। पश्चिम में मांग में गिरावट के कारण चीनी आर्थिक दृष्टिकोण में निरंतर गिरावट का संकेत देता है। खबर में कहा गया है कि पिछले सप्ताह अमेरिकी कच्चे तेल के स्टॉक में लगभग 12 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी हुई। निपटान के बाद के कारोबार में तेल की कीमतों (Crude oil price) में गिरावट थोड़ी बढ़ गई, ब्रेंट वायदा शाम 5:02 बजे तक गिरकर 81.51 डॉलर पर आ गया।

प्रदूषण बढ़ते ही एयर प्यूरिफायर खरीदी में उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) और कुछ हद तक मुंबई में जहरीली हवा ने त्योहारी सीजन में बाजार को काफी हद तक प्रभावित किया है। कई जगहों पर स्कूल बंद कर दिए गए हैं। लोगों ने बाहर निकलना कम कर दिया है। रेस्टोरेंट और बार में लोगों के आने की संख्या में कमी आई है। वहीं, ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी तरफ घरों और कारों के लिए मास्क और एयर प्यूरिफायर की बिक्री में 70-100ऽ बढ़ गई है। लाइट बाइट फूड्स के डायरेक्टर रोहित अग्रवाल का कहना है कि पिछले हफ्ते दिल्ली-एनसीआर में पिछले सीजन की तुलना में बिक्री में 25 पर्सेंट की गिरावट आई है। अग्रवाल का कहना है कि एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में भारी बढ़ोतरी के कारण वह पिछले कुछ दिनों से घर से बाहर नहीं निकले हैं।

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई 400-500 के स्तर पर बना हुआ है, जो 'गंभीर' से ऊपर है। अंजन चटर्जी, स्पेशलिटी रेस्तरां के प्रबंध निदेशक हैं। वह कोलकाता में मैनलैंड चाइना और ओह! जैसे फाइन-डाइनिंग रेस्टोरेंट चेन संचालित करते हैं। उनका कहना है कि एयर पलूशन की वजह से लोग कम बाहर निकल रहे हैं। डिलीवरी से खाना ऑर्डर कर रहे हैं और हाउस पार्टियों में जाना पसंद कर रहे हैं।

प्रदूषण के कारण बढ़ी कमाई

प्रदूषण की वजह से एयर प्यूरिफायर की बिक्री में इजाफा हो रहा है। क्लीन एयर सॉल्यूशन कंपनी निर्वाणा बीइंग ने सोमवार को कहा कि उसने माइक्रो-इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर एयर स्टरलाइज़िंग प्यूरीफायर पेश किया है जो एनर्जी इफिशन्सी भी प्रदान करता है। निर्वाण बीइंग के संस्थापक जय धर गुप्ता ने का कहना है कि ईएंइ एयर स्टरलाइजिंग प्यूरीफायर इस दिवाली पोर्टेबल एयर प्यूरीफिकेशन में एक नया प्रतिमान है।

'एयर प्यूरीफायर पर लोग हुए निर्भर'

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि मौजूदा क्रिकेट वर्ल्ड कप लोगों को पब में लाइव स्क्रीनिंग के लिए आकर्षित कर रहा है। खासकर भारत के मैच के दिनों में इसकी डिमांड ज्यादा रहती है। आईसीसी विश्व कप के मुख्य प्रायोजकों में से एक बीयर कैफे के संस्थापक राहुल सिंह का कहना है कि मॉल आधारित आउटलेट इसकी भरपाई कर रहे हैं, क्योंकि उपभोक्ता इस क्रिकेट और दिवाली सीजन के दौरान लाइव मैच देखना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण के बिगड़ने के कारण बाहर लोगों की संख्या में कमी देखी गई है। परेशान लोग घरों और कारों के लिए एयर प्यूरीफायर पर निर्भर हैं, जिसकी मांग पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 70% तक बढ़ गई है।

होम और कार प्यूरिफायर की मांग

डायरेक्ट सेलिंग कंपनी एमवे के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अजय खन्ना का कहना है कि नवंबर के पहले हफ्ते में हम सेल्स में 16 पर्सेंट की बढ़ोतरी देख रहे हैं। हमारे होम प्यूरिफायर और कार प्यूरिफायर के रिप्लेसमेंट फिल्टर की बिक्री पिछले साल नवंबर की तुलना में इस साल नवंबर के पहले सप्ताह में 69 प्रतिशत बढ़ी है। रिटेलर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स केमिस्ट असोसिएशन के अध्यक्ष प्रसाद दानवे का कहना है कि मास्क की बिक्री जो पिछले एक साल में रुक गई थी, एक बार फिर बढ़ गई है। पिछले हफ्ते से दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में इसकी बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई है।

चावल-दाल के साथ राशन कार्ड में मिलेगी सस्ती चाय, असम सरकार की पहल

नई दिल्ली। एजेंसी

राशन कार्ड पर सरकार जरूरतमद लोगों को अब तक चावल, गेहूं, दाल जैसी जरूरी चीजें मिलती रही है, लेकिन असम सरकार ने नई पहल की है। चाय प्रेमियों को तोहफा देते हुए असम सरकार ने राशन कार्ड पर 1 किलो चाय देने पर विचार कर रही है। असम सरकार राशन कार्डधारकों को रियायती मूल्य पर एक किलो चाय उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा ने कहा है कि राज्य में हर राशनकार्ड धारकों को 5 किलो चावल और 5 लाख रुपये तक का हेल्थ इंश्योरेंस मुफ्त मिलता है। अब प्रदेश सरकार राशनकार्ड धारकों को किफायती दरों पर 1 किलो चाय देने पर विचार कर रही है। राशनकार्ड धारकों को बाजार मूल्य से 75 फीसदी कम पर ये चाय मिलेंगी। असम चाय के 200 साल पूरे पर सरकार ये बात कही है।

असम में 10 लाख से अधिक चाय वर्कर्स हैं, जो संगठित सेक्टर में काम करते हैं। ये चाय मजदूर प्रदेश के 850 से अधिक चाय बगानों में काम करते हैं। आपको बता दें कि असम भारत के खपत का 55 फीसदी चाय उत्पादन करता है। असम के चाय बेल्ट ब्रह्मपुत्र और बराक घाटियों में 60 लाख से अधिक लोग रहते हैं। हाल ही में असम सरकार ने चाय बगान में काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी को बढ़ाकर 18 रुपये कर दिया था। इस वेज बढ़ोतरी के साथ ब्रह्मपुत्र घाटी में चाय श्रमिकों की दैनिक मजदूरी 250 रुपये हो गई। वहीं बराक घाटी में दैनिक मजदूरी 228 रुपये हो गई। चाय बागान श्रमिकों के लिए नई मजदूरी 1 अक्टूबर से लागू हो गई।

जीएसटी का दायरा बढ़ाने की तैयारी में सरकार, वित्त मंत्री ने बताया प्लान

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार का फोकस जीएसटी की चोरी रोकने और जीएसटी से कमाई बढ़ाने पर है. साथ ही सरकार की कोशिश है कि सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को इसके दायरे में लाया जाए. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खुद ये बातें कही है। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त मंत्रालय का ध्यान ना केवल जीएसटी कलेक्शन के जरिए राजस्व बढ़ाने पर है, बल्कि सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को इसके दायरे में लाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ने गुजरात के वापी में 12 जीएसटी सुविधा केंद्र खोलने के दौरान अपने संबोधन में ये बाते कही। वित्त मंत्री ने कहा कि इन जीएसटी केंद्रों के जरिए कारोबारियों को बिना गलती किए जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने में मदद मिलेगी और साथ ही इस सेंटर्स के जरिए उनकी समस्याओं का समाधान संभव हो सकेगा. वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी कलेक्शन में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। पहले की तुलना में कई गुड्स पर जीएसटी रेट्स में कमी की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि व्यापारियों पर दोहरा कर नहीं लगाया जा रहा इसीलिए जीएसटी कलेक्शन बढ़ रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि अभी भी कई कारोबारी जीएसटी के दायरे में आना नहीं चाहते और वे संगठित अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि, 'उन्हें जीएसटी के दायरे में केवल इसलिए नहीं आना चाहिए क्योंकि वे टैक्स देंगे, बल्कि उन्हें अर्थव्यवस्था की असली ताकत के लिए आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें केवल कुछ लोग मिल रहे हैं, सभी नहीं और अर्थव्यवस्था पूर्ण रूप से संगठित तभी हो सकती है, जब सभी लोग इसके दायरे में आ जाएं. उन्होंने कहा कि संगठित अर्थव्यवस्था से बाहर रहना न तो देश के लिए अच्छा है और न ही उन व्यक्तियों के लिए।

वित्त मंत्री ने कहा कि अगर कारोबारी जीएसटी के दायरे में नहीं आते हैं, तो इसका मतलब है कि आप संभावित खरीदारों को खो रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, 'अब मैं टैक्स कलेक्शन पर तो ध्यान देना चाहूंगी, जिसके आंकड़े हर साल और महीने बढ़ रहे है. पर साथ ही हमारा ध्यान इस बात पर भी होना चाहिए कि अधिक से अधिक व्यापारिक प्रतिष्ठान और व्यवसाय इसमें शामिल हों। पारदर्शी कर व्यवस्था से देश के साथ सभी को फायदा होना चाहिए।

अक्टूबर में निकाले गए रिकॉर्ड 10.03 करोड़ E-way bill

जीएसटी कलेक्शन में मिल सकता है फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी

ई-वे बिल या इलेक्ट्रॉनिक परमिट (E-way Bill) जनरेशन अक्टूबर, 2023 के दौरान 10.3 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। अभी तक साल के किसी भी एक महीने में इतनी संख्या में ई-वे बिल जेनरेट नहीं हुए हैं। बता दें कि राज्यों के भीतर और बाहर माल भेजने या ट्रांसपोर्टेशन के लिए कारोबारियों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से ई-वे बिल निकाला जाता है।

त्योहारी सीजन में बढ़ी बिक्री से निकले ज्यादा ई-वे बिल

ई-वे बिल जनरेशन की संख्या में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण त्योहारी सीजन है। साल के इस समय में अक्सर बिक्री में तेजी देखी जाती है। अधिक संख्या में ई-वे बिल जेनरेशन से नवंबर में जीएसटी कलेक्शन (GST Collection) के और ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है।

50,000 रुपये से ज्यादा रुपये के माल के लिए ई-वे बिल जरूरी

गौरतलब है कि 50,000 रुपये से ज्यादा रुपये का माल भेजने यानी ट्रांसपोर्ट करने के लिए ई-वे बिल निकालना जरूरी है। ई-वे बिल की संख्या में वृद्धि अर्थव्यवस्था में मांग और आपूर्ति के रुझान का एक शुरूआती संकेत भी होता है।

अक्टूबर माह के दौरान ई-वे बिल जेनरेशन में आई लगातार वृद्धि के जीएसटी कलेक्शन के आंकड़ों में दिखाई देने की उम्मीद है। यह तेजी नवंबर के आंकड़ों में दिखाई देगी।

जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी से सरकार को मिलेगी मदद

जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी से फिस्कल डेफिसिट के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार की प्राप्तियों को आवश्यक सहायता मिलेगी। बता दें कि सितंबर में ई-वे बिल जेनरेशन थोड़ा धीमा होकर 9.2 करोड़ पर आ गया था। इसके बावजूद, अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो अप्रैल में दर्ज 1.87 लाख करोड़ रुपये के बाद से सबसे अधिक मंथली कलेक्शन है। बीडीओ इंडिया में अप्रत्यक्ष टैक्स पार्टनर और लीडर गुंजन प्रभाकरन ने कहा, 'लोगों द्वारा की गई खरीदारी और प्रत्याशित दिवाली मांग को पूरा करने के लिए सप्लाई चेन में कंपनियों द्वारा स्टॉक को वापस भरना ई-वे बिल जेनरेशन में वृद्धि का एक बड़ा कारण है।' साथ ही उन्होंने राजस्व अधिकारियों द्वारा बढ़ी हुई जांच और करदाताओं द्वारा बेहतर अनुपालन को भी ई-वे बिल जेनरेशन बढ़ने के कारणों में बताया।

कोविड का नया वेरिएंट JN.1

वैक्सीन और इम्यूनिटी भी है बेकार

न्यूयॉर्क। एजेंसी

वैज्ञानिक एक नए कोविड-19 वेरिएंट को लेकर बेहद परेशान हैं, जिसमें वैक्सीन प्रतिरक्षा (इम्यूनिटी) से बचने की ताकत है। नए सार्स-कोव-2 वैरिएंट जेएन.1 (JN.1) की पहचान शुरुआत में 25 अगस्त, 2023 को लक्ज़मबर्ग में की गई थी। इसके बाद, यह इंग्लैंड, आइसलैंड, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका में भी पाया गया। एक्सबीबी.1.5 और एचवी.1 जैसे कोरोना के दूसरे वेरिएंट के मुकाबले जेएन.1 कहीं ज्यादा अलग है और इसी वजह से यह वैज्ञानिकों को हैरान कर रहा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में विकसित वैक्सीन बूस्टर ज्यादातर एक्सबीबी.1.5 वैरिएंट को टारगेट करते हैं। हालांकि, एचवी.1 जो ज्यादा पुराना वेरिएंट नहीं है, में पहले की तुलना में कुछ अंतर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेएन.1, जिसे चालाक स्ट्रेन माना जाता है, एक ही वंश से होने के बावजूद बहुत अलग है।

विशेष रूप से, एचवी.1 वेरिएंट में दस अतिरिक्त अद्वितीय उत्परिवर्तन (Unique Mutations) थे। एक्सबीबी.1.5 के विपरीत, जेएन.1 में 41 अधिक विशिष्ट उत्परिवर्तन हैं। स्पाइक प्रोटीन जेएन.1 के अधिकांश परिवर्तनों को दिखाता है, जो संभवतः प्रतिरक्षा से बचाव (Immune Evasion) और संक्रामकता में वृद्धि से संबंधित हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका मतलब शायद यह हो सकता है कि मौजूदा टीके वायरस को फैलने से रोकने में काम नहीं करेंगे। न्यूयॉर्क के बफ़ेलो विश्वविद्यालय में संक्रामक रोग के प्रमुख डॉ. थॉमस रूसो के हवाले से टीओआई ने कहा, 'इसके स्पाइक प्रोटीन में उत्परिवर्तन (Mutation) के कारण, जेएन.1 अपने ओरिजिन की तुलना में प्रतिरक्षा (Immune) से बहुत अधिक बच निकलने वाला लगता है, जिससे यह काफी चालाक हो जाता है। परिणामस्वरूप, हमें अधिक संक्रमण होने का खतरा हो सकता है।

2021 में, जब कोविड-19 महामारी शुरू ही हुई थी, स्पाइक प्रोटीन में ये अंतर देखा गया था। विशेष रूप से सार्स-कोव-2 के अल्फा और बीटा वेरिएंट्स में. डॉ रूसो ने आगे कहा, 'कुछ आंकड़े हैं जो इस तरफ इशारा करते हैं कि जेएन.1 के मूल बीए.2.86 पिछले वेरिएंट की तुलना में अधिक संक्रामक हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि जेएन.1 में उनका दोबारा उभरना भी उल्लेखनीय है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) को भरोसा है कि नया वेरिएंट वैक्सीन इम्यूनिटी से बच नहीं पाएगा। सीडीसी द्वारा यह विश्लेषण डेटा पर आधारित है, और विश्लेषण की संघीय सरकार के सार्स-कोव-2 इंटरएजेंसी ग्रुप द्वारा फिर से पुष्टि की गई थी।

हैंडीक्राफ्ट पर रिलायंस का बड़ा दांव, लॉन्च हुआ पहला 'स्वदेश' स्टोर

देश की आर्ट को US-यूरोप तक ले जाने की प्लानिंग

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रिलायंस ने भारत की सदियों पुरानी कला को दुनिया के सामने रखने की शुरुआज आज हैदराबाद से कर दी है। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेरपर्सन नीता अंबानी (Nita Ambani) ने रिलायंस रिटेल के पहले 'स्वदेश' स्टोर को लॉन्च किया है। स्वदेश स्टोर (Swadesh store) हैदराबाद के जुबली हिल्स में 20,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है। नीता अंबानी ने बताया कि यह स्टोर पूरी तरह भारतीय कला और शिल्प को समर्पित है। भारत की सदियों पुरानी कला और शिल्प को वैश्विक स्तर पर ले जाने के उद्देश्य से स्वदेश की शुरुआत की गई है। इस स्टोर में देशभर के पारंपरिक कलाकारों और कारीगरों के उत्पाद व शिल्प बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

कारीगरों और शिल्पकारों की होगी कमाई

नीता अंबानी ने कहा, 'रिलायंस रिटेल के 'स्वदेश' स्टोर, भारत की सदियों पुरानी कला को दुनिया के सामने रखने का प्लेटफॉर्म बनेंगे। साथ ही ये कारीगरों और शिल्पकारों के लिए आमदनी का जरिया भी बनेंगे। स्वदेश स्टोर में हस्त शिल्प के अलावा हस्त निर्मित खाद्य वस्तुएं व कपड़े जैसे उत्पाद भी खरीददारी के लिए उपलब्ध होंगे।

अमेरिका और यूरोप में भी स्टोर खोलने की प्लानिंग

स्टोर की लॉन्चिंग के बाद मीडिया से नीता अंबानी ने कहा, 'स्वदेश भारत की पारंपरिक कला और कारीगरों को बचाने और उन्हें आगे बढ़ाने की एक विनम्र पहल है। इसमें 'मेक इन इंडिया' की भावना निहित है और यह हमारे कुशल कारीगरों और शिल्पकारों के लिए सम्मान के साथ जीविका चलाने का साधन बनेगा। वे वास्तव में हमारे देश का गौरव हैं और स्वदेश के माध्यम से हम उन्हें वह वैश्विक पहचान दिलाने की कोशिश करेंगे, जिसके वे हकदार हैं। हम भारत के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और यूरोप में भी स्वदेश का विस्तार करने का प्रयास करेंगे।'

NMACC में बना है स्वदेश एक्सपीरियंस जोन

मुंबई स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (NMACC) में स्वदेश एक्सपीरियंस जोन बनाया गया है। यहां भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय मेहमान, हुनरमंद उस्ताद कारीगरों को काम करते हुए देख सकते हैं। वे उनसे बातचीत कर सकते हैं और साथ ही खरीददारी भी सकते हैं। एनएमएसीसी में कारीगरों के पास इतने अधिक ऑर्डर आए कि तीन दिन के लिए बनाए गए इस एक्सपीरियंस जोन की समयसीमा को आगे बढ़ाना पड़ा। यहां बेचे गए तमाम प्रोडक्ट्स की पूरी इनकम कारीगरों को ही मिलती है।

बनेंगे 18 RAISE सेंटर

पूरे भारत में 18 रिलायंस फाउंडेशन आर्टिसन इनिशिएटिव फॉर स्किल एनहांसमेंट (RAISE) केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। इससे 600 से अधिक शिल्प उत्पादों को खरीदारी का प्लेटफॉर्म मिलने की उम्मीद है। स्वदेश स्टोर में ग्राहक अगर किसी उत्पाद के बारे में पूरी जानकारी हासिल करना चाहता है तो यहां 'स्कैन एंड नो (Know)' तकनीक की सुविधा भी है। इससे हर उत्पाद और उसके निर्माण के पीछे की कहानी को जाना जा सकता है।

भारत से विवाद के बाद कनाडा की इकॉनमी पर दिखने लगा असर

बंद हो रहे कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

खालिस्तानियों के मुद्दे पर भारत के साथ अपने संबंधों को बिगाड़कर कनाडा ने अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार ली है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के एक बयान ने भारत और कनाडा के कूटनीतिक संबंधों में दरार ला दिया। कनाडा ने खालिस्तानियों का फेवर करते हुए भारत के खिलाफ जो बयान दिया, अब उसका असर उसके ही कारोबार पर दिखने लगा है। कनाडा की बड़ी डायमंड कंपनी ने दिवालिया प्रक्रिया के लिए आवेदन दिया है। कनाडा की डायमंड माइनिंग कंपनी स्टोनॉर्वे डायमंड ने दिवालिया के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने क्यूबेट से होने वाले अपने ऑपरेशन को सस्पेंड कर दिया है। जियो पॉलिटिकल तनाव के बीच कंपनी ने अचानक के अपने ऑपरेशन को बंद करने का फैसला किया है, जिसे भारत के खिलाफ कनाडा के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

कनाडा की कंपनी हुई बंद

कनाडा की बड़ी डायमंड कंपनी ने अपना परिचायन अचानक से बंद करने का फैसला किया है। दरअसल कनाडा के आरोपों के बाद भारत की डायमंड इंडस्ट्री ने कनाडा से बिना पॉलिश वाले डायमंड के आयात पर रोक लगा दी। भारत के हीरा कारोबारियों के इस फैसले का असर कनाडा की डायमंड कंपनी पर देखने को मिला। भारत के साथ आयात बंद होने के चलते कंपनी को भारी घाटा हुआ और कंपनी बंद करने की नौबत आ गई। खालिस्तानियों के मुद्दे पर भारत के साथ अपने संबंधों को बिगाड़कर कनाडा ने अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार ली है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के एक बयान ने भारत और कनाडा के कूटनीतिक संबंधों में दरार ला दिया। कनाडा ने खालिस्तानियों का फेवर करते हुए भारत के खिलाफ जो बयान दिया, अब उसका असर उसके ही कारोबार पर दिखने लगा है। कनाडा की बड़ी डायमंड कंपनी ने दिवालिया प्रक्रिया के लिए आवेदन दिया है। कनाडा की डायमंड माइनिंग कंपनी स्टोनॉर्वे डायमंड ने दिवालिया के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने क्यूबेट से होने वाले अपने ऑपरेशन को सस्पेंड कर दिया है। जियो पॉलिटिकल तनाव के बीच कंपनी ने अचानक के अपने ऑपरेशन को बंद करने का फैसला किया है, जिसे भारत के खिलाफ कनाडा के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

हीरा कारोबार पर असर

भारत के डायमंड इंडस्ट्री के बड़े खिलाड़ियों जैसे जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट काउंसिल (उव्ङ्ग), भारत डायमंड बोर्स (ँॐ), सूरस डायमंड बोर्स (एॐ), द मुंबई डायमंड मर्चेंट एसोसिएश और सूरत डायमंड एसोसिएशन (एॐ) ने कनाडा की कंपनियों से बिना पॉलिस वाले डायमंड के इंपोर्ट को रोकने का फैसला किया। भारत की हीरा कंपनियों ने यह कदम शुरू में स्वैच्छिक तौर पर लिया। इसका फैसला अब कनाडा की डायमंड कंपनी पर दिखने लगा है। कनाडा की डायमंड कंपनी को भारत के साथ आयात बंद होने के नतीजा भुगतना पड़ा है। कंपनी भारी नुकसान में चली गई। कंपनी की आर्थिक स्थिति बुरे दौर में पहुंच गई और उसे दिवालिया प्रक्रिया से गुजरने का फैसला करना पड़ा। अपने बयान में कंपनी ने कहा कि भारत में कच्चे हीरे के आयात में रुकावट आने के चलते उसे वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है।

भारत-कनाडा के बीच कारोबार

भारत कनाडा के बीच खाद्य पदार्थों से लेकर खनिज तक का आयात-निर्यात होता है। खनिज ईंधन, खनिज तेल और पोटाश, दालें, मिनिरल्स, कोयला, फर्टीलाइजर, कोक, दालें, पोटाश, लकड़ी, मानइंग प्रोडक्ट और एल्युमीनियम जैसे सामानों का आयात-निर्यात होता है। भारत और कनाडा के बीच पिछले साल कुल 8 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ। भारत और कनाडा के संबंधों में आई कड़वाहट का असर व्यापार पर पड़ने लगा है। कारोबार पर असर पड़ेगा तो नौकरियां प्रभावित होगी। भारत ने कनाडा में अच्छा- खासा निवेश किया है। रिश्ते बिगड़ने से कनाडा में नौकरियों पर संकट मंडरा सकता है।

भारत के खजाने में आया उछाल, सोना भी बढ़ा, उधर जानिए पाकिस्तान के क्या हैं हाल

नई दिल्ली । एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। देश के खजाने में अच्छी-खासी बढ़ोतरी हुई है। 27 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (foreign exchange reserves) 2.579 अरब डॉलर बढ़कर 586.111 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। इससे पहले 20 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.36 अरब डॉलर घटकर 583.53 अरब डॉलर रह गया

था। उससे भी पहले 6 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.166 अरब डॉलर घटकर पांच महीने के निचले स्तर 584.74 अरब डॉलर पर आ गया था। वहीं, हफ्ते दर हफ्ते आधार पर पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में भी इजाफा हुआ है।

गोल्ड रिजर्व में हुआ इजाफा

इस दौरान विदेशी करेंसी एसेट्स में भी तेजी आई है। विदेशी करेंसी एसेट्स 2.303 अरब डॉलर बढ़कर 517.504 अरब डॉलर रहा है। वहीं, आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में एक बार फिर से उछाल देखने को मिली है। आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 499 मिलियन डॉलर बढ़कर 45.92 अरब डॉलर हो गया। एसडीआर में 15 मिलियन डॉलर की कमी आई। इसके अलावा इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड में जमा रिजर्व 208 मिलियन डॉलर की गिरावट के साथ 4.77 अरब डॉलर रहा।

भारतीय रुपये के लिए अच्छी खबर

देश के खजाने में यह बढ़ोतरी भारतीय रुपये के लिए एक अच्छी खबर है। आरबीआई देश के विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग रुपये के अस्थिर होने पर उसे स्थिर करने के लिए करता है। विदेशी मुद्रा कोष में कोई भी वृद्धि आरबीआई को बाजार में डॉलर जारी करने और रुपये के फ्री फॉल की स्थिति में उसे स्टेबल करने के लिए अधिक गुंजाइश देती है।

पाकिस्तान का खजाना भी बढ़ा

उधर आर्थिक संकट और कर्ज से बोझ तले दबे पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में भी थोड़ा इजाफा हुआ है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार हफ्ते दर हफ्ते आधार पर 0.18 फीसदी बढ़कर 7.51 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। गुरुवार को स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

अपने विचारों का दान : प्रदेश के विकास में योगदान, अवश्य करें मतदान

राजकुमार जैन
स्वतंत्र लेखक एवं विचारक

प्रत्येक पाँच वर्ष के अंतराल पर मतदान के माध्यम से हम अपने राज्य की सरकार का चुनाव करते हैं। प्रदेश के नागरिक इस चुनावी प्रक्रिया में सीधे तौर पर भाग लेते हैं। कोई भी नागरिक जिसकी उम्र 18 वर्ष या इससे ज्यादा हो, उसे मतदान करने का अधिकार है।

भारतीय संविधान के अनुसार नियमित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करवाने का कार्य निर्वाचन आयोग का है। देश में चुनाव संबंधी अधिसूचना जारी करने से लेकर परिणाम घोषित करने तक चुनाव आयोग की एक लंबी प्रक्रिया है। मध्यप्रदेश जैसे विशाल एवं बड़ी आबादी वाले प्रदेश में चुनाव संपन्न कराना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। चुनाव आयोग पर धन-बल तथा बाहु-बल से निपटने की भी ज़िम्मेदारी होती है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव एक अच्छे लोकतंत्र की स्थापना का आधार है।

जब भी चुनाव आते हैं लोग विशेषकर नवयुवा यह सवाल पूछते है कि, क्यों जरूरी है बार बार ये चुनाव। इसका सवाल का जवाब देना आसान नही है। हमारे देश का शासन लोकतान्त्रिक पद्धति से चलता है और लोकतन्त्र दो शब्दो से मिलकर बना है लोक और तंत्र। 'लोकतंत्र' का अर्थ है, एक ऐसी शासन पद्धति जिसमें स्वतंत्रता, समता और बंधुता, समाज-जीवन के मूल सिद्धांत होते हैं। 'लोकतंत्र' शब्द का अंग्रेजी पर्याय 'डेमोक्रेसी' है जिसकी उत्पत्ति ग्रीक मूल शब्द 'डेमोस' से हुई है। डेमोस का अर्थ होता है- 'जन साधारण' और इस शब्द में 'क्रेसी' शब्द जोड़ा गया है जिसका अर्थ 'शासन' होता है। लोकतंत्र जिसमें लोग शासन करने के लिए अपना प्रतिनिधि चुनते है। अब यह बिना चुनाव के कैसे संभव है। लोकतंत्र में चुने हुए प्रतिनिधि, ठीक ढंग से कार्य करें, मनमानी ना करने लगें इसलिए निश्चित समय अंतराल में चुनाव कर पुनः नयी सरकार का गठन किया जाता है।

सरकार के गठन हेतु जब आप वोट देने जाते हैं, तो ढेर सारे उम्मीदवारों और कई पार्टियों से पाला पड़ता है। मतदान केंद्र पर आपको बस कुछ पलों में फ़ैसला करना होता है कि किस उम्मीदवार को वोट देना है। एक आम आदमी जब बूथ तक चल कर जाता है और वोटिंग मशीन का एक बटन दबाया है तब वो इस लोकतन्त्र की राजनीतिक क्रांति का अग्रदूत साबित होता है। आपका एक वोट अगले पांच साल की सरकार बनाता है। यानी कुछ क्षणों में लिए गए फ़ैसले का असर हम अगले पांच साल तक देखते हैं।

वोट डालना इसलिए भी जरूरी है कि इस वोट के द्वारा अपनी सरकार चुनने के अधिकार को पाने की खातिर हमारे पुरखों ने आजादी के संघर्ष मे अपना खून बहाया था।

भारत का प्रत्येक नागरिक, जिसकी आयु 18 वर्ष हो चुकी है उसे मतदान करके अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाना है। मतदाता लोकतंत्र का नायक है, उसे एक सरकार बनानी है। चुनाव द्वारा ही सरकार को वैधता प्राप्त होती है। लोकतंत्र में शासन चलता ही लोगों के वोट डालने से है।

'मतदान' अर्थात अपने 'विचार का दान'। दान लालच भाव से या किसी आशा से नहीं किया जाता। 'भारत का लोकतंत्र सुदृढ़ हो' यह भाव अवश्य ही मतदाता के मन में बना रहना चाहिए। इसीलिए संविधान में व्यवस्था दी गई है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों।

जो मतदान करने जा रहे हैं वें अपने पुरखों की उपरोक्त बातों को ध्यान में रख मतदान करें। भ्रष्ट साधन न अपनाएं। लालच में न आए। निर्भीक और निडर भाव से वोट डालें। वोट देते समय यदि मतदाता ने कुछ ले लिया तो समझो उसने लोकतंत्र का गला दबा दिया। इन सब से मतदाता को बचना है। इस शहर के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रख कर अपने मत का प्रयोग करें। वोट बहुत मूल्यवान वस्तु है। एक-एक वोट से सरकार बनती और गिर जाती है। वोट का महत्व समझ कर ही वोट डालें और अवश्य डालें। स्वतंत्र मन से डालें।

जब उम्मीदवारों द्वारा, राजनीतिक पार्टियों द्वारा आपको तरह तरह के प्रलोभन दिये जा रहे हो तो ऐसे में सही चुनाव करना और भी ज़रूरी हो जाता है। अक्सर लोग पार्टी के प्रति निष्ठा रखते हुए वोट डालते हैं। कुछ लोग उम्मीदवार देख कर वोट डालते हैं। तो, किसी को विचारधारा प्रभावित करती है। कुछ लोग जाति और धर्म के आधार पर अपना पसंदीदा उम्मीदवार चुनते है। और ऐसे लोग भी होते हैं, जो नीतियों के हिसाब से प्रत्याशी चुनते हैं। देखा गया है कि अक्सर हम जो चुनाव करते हैं, वो तर्कों से परे होते हैं। हम जज़्बाती होकर फैसला करते हैं। आप को बिना जज़्बाती हुए, सही उम्मीदवार का चुनाव करना चाहिए। ये सारे फ़ैसले करना आसान नहीं। आपको सही उम्मीदवार का चुनाव करना हो, तो आपको हर पार्टी, प्रत्याशी के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए. फिर उनकी खूबियां और खामियां पता होनी चाहिए।

ज़्यादातर मतदाताओं के पास इतना वक़्त नहीं होता। लंबी चुनावी प्रक्रिया के दौरान सभी उम्मीदवारों के बयानों और सभी दलों के घोषणापत्रों को समझ लेना आम आदमी के लिए क़रीब-क़रीब नामुमकिन काम है। फिर भी सही उम्मीदवार का चुनाव स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ज़रूरी है। हालांकि, ये काम आसान नहीं है. लेकिन, आखिरी फ़ैसला आप का ही होता है।

देश हित में, लोकतन्त्र के हित में, समाज के हित में, अपने परिवार और स्वयं के हित में मतदान एक अति महत्वपूर्ण और आवश्यक ज़िम्मेदारी है और चुनाव वाले दिन मतदान केंद्र तक जाकर अपना मत डालने की इस महती ज़िम्मेदारी का निर्वहन आप सभी को करना ही को चाहिए। जयहिंद।

आमदनी तो बढ़ी लेकिन गृहस्थी चलाने और लोन चुकाने में खर्च हो रहे हैं 77प्रतिशत पैसे

सर्वे की रिपोर्ट जान कर चौंक जाएंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना के बाद इकॉनोमी पूरी तरह से खुल गई है। अर्थव्यवस्था में तेजी भी आई है। लोगों की आमदनी बढ़ी है। नौकरीपेशा लोगों की का इस साल अप्रेजल भी ठीक-ठाक हुआ है। लेकिन आमदनी बढ़ने के साथ साथ लोगों के खर्चे भी बढ़े हैं। स्थिति यह है कि औसत लोग अपनी घरेलू खर्चो को पूरा करने में 59 फीसदी आमदनी और लोन चुकाने में 18 फीसदी आमदनी झोंक रहे हैं। इसका खुलासा एक सर्वे से हुआ है।

बढ़ रहा है खर्च और कर्ज भी

पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड (PGIM India Mutual Fund) ने बीते दिन ही पीजीआईएम इंडिया रिटायरमेंट रेडीनेस सर्वे 2023 जारी किया है। इसमें बताया गया है कि व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों के खर्च भी बढ़े हैं। साथ ही उनकी कर्ज और देनदारी भी बढ़ रही है। इस समय औसत भारतीय अपनी आमदनी का 59 फीसदी हिस्सा घरेलू खर्चों को पूरा करने में आवंटिक कर रहे हैं। इसके साथ ही आमदनी का 18 फीसदी हिस्सा लोन चुकाने के लिए आवंटित कर रहे हैं। यह साल 2020 के सर्वेक्षण के निष्कर्षों से थोड़ा अधिक है।

रिटायरमेंट के लिए बढ़ी है तैयारी

लोगों के खर्चे बढ़ रहे हैं तो उनकी रिटायरमेंट के लिए तैयारी भी बढ़ी है। इससे पता चला है कि 'रिटायरमेंट' भारतीयों के लिए अब तेजी से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है। अब ज्यादा से ज्यादा लोग अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे प्राथमिकता दे रहे हैं। साल 2020 के सर्वेक्षण में इस मामले में भारत 8वें स्थान पर था, जो 2023 में 6वें स्थान पर पहुंच गया है। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं आकांक्षाओं से समझौता किए बिना अपने वित्त (फाइनेंस) पर नियंत्रण चाहते हैं।

कोरोना महामारी ने सिखाया सबक

कोरोना महामारी के बाद 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है। अब लोग अपनी जीवनशैली और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना चाहते हैं। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा मकान बनाना, बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (क्वालिटी एजुकेशन) से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से जीवनशैली को बेहतर बनाना शामिल है।

कर्ज भी बढ़ रहा है

महामारी के बाद एक नकारात्मक पहलू भी दिखा हे। अब लोगों में पैसा बनाने और उसे मैनेज करने पूरी तरह से समर्थ नहीं है। अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है - तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है। नियंत्रण, जिससे कर्ज और देनदारियों का निर्माण होता है।

वित्तीय रूप से अनुशासित भी हुए हैं

इस सर्वे में भाग लेने वाले 48 फीसदी लोगों ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण लोगों के सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया है। भारतीय अब वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजनाबद्ध और अनुशासित हो गए हैं। अब वे कम आय के साथ, अधिक रिटर्न पैदा करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान संस्?थान यानी वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट

फिनटेक निकट भविष्य में हो सकता है बैंकों का विकल्प

रिपोर्ट में डिजिटलीकरण और वित्तीय स्थिरता की वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बेहतर विनियमन पर जोर दिया गया।

एजेंसी

देश का वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र निकट भविष्य में पारंपरिक बैंक के विकल्प के रूप में उभर सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के 'एडवांस्ड फाइनेंशियल रिसर्च एंड लर्निंग सेंटर (काफराल) ने एक रिपोर्ट में यह बात कही। रिपोर्ट में डिजिटलीकरण और वित्तीय स्थिरता की वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए बेहतर विनियमन पर जोर दिया गया।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मंगलवार को काफराल का पहला प्रमुख प्रकाशन 'इंडिया फाइनेंस रिपोर्ट 2023' शीर्षक के साथ जारी किया। काफराल एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसे 2011 में आरबीआई ने बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में शोध और शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक स्वतंत्र निकाय के रूप में स्थापित किया था। रिपोर्ट भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र के बारे में नया नजरिया देती है। इससे नियामकों और नीति निर्माताओं सहित सभी संबद्ध पक्षों को इस क्षेत्र की बेहतर समझ हासिल करने में मदद मिल सकती है।

रिपोर्ट के लिए अपनी टिप्पणी में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने कहा कि रिपोर्ट में एनबीएफसी में विविधता, पारंपरिक बैंकिंग की तुलना में पूरकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की पड़ताल की गई है। यह एनबीएफसी और फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) के बीच बढ़ते तालमेल के प्रति संवेदनशील है। फिनटेक ऐसी प्रौद्योगिकी कंपनियां हैं, जो वित्तीय क्षेत्र में काम करती हैं।

धनतेरस पर खरीदें सोना चांदी, प्रीति योग से होगा लाभ

धनतेरस पर इस बार प्रीति योग बन रहा है। यह योग सोना चांदी के आभूषण खरीदने के लिए सर्वोत्तम माना गया है। धनतेरस कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 10 नवंबर को मनाई जाएगी।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि इस दिन सोने चांदी के अलावा बर्तन, कुबेर यंत्र, पीतल का हाथी और झाड़ू खरीदना शुभ होता है। मान्यता है कि इस दिन झाड़ू खरीदने पर मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और मेहरबान रहती हैं। इस बार धनतेरस पर प्रीति योग में खरीदारी कर सकते हैं। भगवान धन्वंतरि की होगी पूजा : त्रयोदशी तिथि दस नवंबर को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से शुरू होकर दूसरे दिन दोपहर एक बजकर 57 मिनट तक रहेगी। इस दिन आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि, कुबेर देव और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। पूजा के लिए शुभ मुहूर्त शाम पांच बजकर 47 मिनट से रात सात बजकर 43 मिनट तक रहेगा।

हस्त नक्षत्र व्यापारियों की बढ़ाएगा बिक्री

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, धनतेरस के दिन चंद्रमा कन्या राशि में संचार करेंगे। जहां पहले से ही धन-ऐश्वर्य के दाता शुक्र ग्रह विराजमान है। चंद्रमा और शुक्र की युति से कलात्मक योग बन रहा है। इस दिन हस्त नक्षत्र रहने वाला है। इस नक्षत्र के स्वामी चंद्रमा है। इस नक्षत्र को व्यापारियों से संबंधित माना जाता है, जिससे व्यापार में अधिक बिक्री का संकेत मिलता है।

धनतेरस की पूजा का शुभ मुहूर्त

धनतेरस की पूजा का शुभ समय में विजय मुहूर्त दोपहर एक बजकर 53 मिनट से दो बजकर 37 मिनट तक रहेगा। गोधूलि बेला का समय शाम को पांच बजकर 30 मिनट से पांच बजकर 56 मिनट तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 43 मिनट से दोपहर 12 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। अगले दिन 11 नवंबर को त्रयोदशी तिथि दोपहर एक बजकर 57 मिनट तक रहेगी।

दिवाली से पहले राहु को करें घर से दूर, शुक्र के रहने से ही मां लक्ष्मी होंगी खुश, करें ये उपाय

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

दीपावली का महापर्व 12 नवंबर 2023 को मनाया जाएगा. घर के वास्तु दोष को दूर करने मे दिवाली का पर्व सहायक माना गया है. दिवाली से पूर्व घर की साफ सफाई इसी का एक हिस्सा है. मान्यता है कि दिवाली से पूर्व घर की साफ सफाई करने से वास्तु दोष की समस्या से काफी हद तक निजात मिलती है. कचरे के साथ ही राहु भी घर से निकल जाता है और शुक्र स्थापित होता है जिस घर में सुख शांति बनी रहती है.

एस्ट्रोलॉजर प्रतीक्षा ने बताया कि घर में राहु का भी स्थान होता है. घर के कोने-कोने को अच्छे से साफ करना चाहिए. सारा कूड़ा-करकट बाहर निकालना चाहिए. शौचालय और सीढ़ियों को राहु का स्थान माना गया है. दिवाली से पहले इन स्थानों को अवश्य ही देख लेना चाहिए. यदि गंदे और टूटे हुए हैं तो इनकी फौरन साफ सफाई या मरम्मत करानी चाहिए. क्योंकि गंदा टॉयलेट और टूटी, उखड़ी सीढ़ियां राहु के प्रभाव में वृद्धि करने वाली मानी गई है.

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार शुक्र घर में रहेगा तो माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और राहु रहेगा तो नेगेटिव एनर्जी रहेगी. घर का हर कोना पुराने कपड़े पुराने जूते चप्पल सभी को साफ कर स्वच्छ और व्यवस्थित तरीके से रखें. टॉयलेट गंदा हो तो राहु का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है. जिस कारण घर में कलह, तनाव, दांपत्य जीवन में अनबन, धन की हानि, बच्चों का मन पढ़ाई में न लगाना आदि जैसी समस्याएं बढ़ जाती है.

इसके साथ ही टूटी सीढ़ियां होने से घर में धन नहीं टिकता है. परिवार के सदस्यों में मनमुटाव की स्थिति रहती है. परिजनों की तबीयत खराब रहती है. इस तरह की दिक्कतें सामने आ सकती है.

दिवाली से पूर्व कर लें ये उपाय

राहु को ज्योतिष शास्त्र में पाप ग्रह माना गया है. ये भ्रम का कारक भी है. इसके साथ ही जीवन में अचानक होने वाली घटनाओं के पीछे भी राहु का ही हाथ माना जाता है. ये शुभ और अशुभ दोनों तरह के फल प्रदान करता है. राहु जब खराब होता है तो व्यक्ति का जीवन में मुसीबत और परेशानियों से भर देता है. इसलिए इस ग्रह को शांत रखना जरूरी हो जाता है. इसके लिए घर के हर कोने में दीपक प्रज्वलित करना चाहिए.

इस धनतेरस अपनी राशि अनुसार खरीदें शुभ रत्न, चमक जाएगी सोई किस्मत!

दीपावली नजदीक है, इससे ठीक पहले धनतेरस का त्यौहार है. प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को पड़ने वाला धनतेरस का यह त्यौहार बेहद ही शुभ होता है. इसी दिन देवताओं के वैद्य कहे जाने वाले भगवान धनवंतरी समुद्र मंथन में अमृत कलश लेकर बाहर निकले थे. इसलिए इस दिन जो भी व्यक्ति सोना, चांदी, हीरा, रत्न, विभिन्न धातु के बर्तन , कपड़े, वाहन और जमीन सहित अन्य वस्तुओं की खरीदी करता है. उसके ऊपर पूरे साल माता लक्ष्मी और धनकुबेर की कृपा दृष्टि बनी रहती है. सतना के ज्योतिषाचार्य सचिन पंडित ने बताया कि कई लोग अपनी समस्या अनुसार या किसी सामान्य व्यक्ति के सुझाव से रत्नों की खरीददारी करते हैं और धारण कर लेते हैं, लेकिन उन्हें उचित लाभ की जगह और ज्यादा नकारात्मकता का सामना करना पड़ता है. ऐसे में सवाल यह उठता है कि रत्नों की खरीदारी कैसे करें? तो रत्नों की खरीददारी ज्योतिषाचार्य के सुझाव या राशि के अनुसार करें ताकि आपको उसके उचित लाभ मिल सकें. आइए बात करते हैं रत्नों की जिनकी संख्या 9 है, किस राशि के जातक को कौन सा रत्न होगा लाभकारी

वृश्चिक और मेषः इन राशि के जातकों के लिए मूंगा रत्न पहनना शुभ होगा. यह क्रोध कम करने, रक्त संबंधित रोग दूर करने में भी कारगर साबित हो सकता है.

वृषभ और तुलाः राशि के जातकों को हीरा धारण करना चाहिए, जिनसे उनके यश प्रतिष्ठा मान सम्मान में वृद्धि होगी. साथ ही सौंदर्य निखार भी आयेगा.

मिथुन और कन्याः राशि जातक को पन्ना पहनना शुभ होगा. लाभ की बात करें तो अपने छोटे भाई बहनों से प्रेम बढ़ेगा, घरेलू कलह दूर होगी.

कर्क और मीनः राशि जातक को मोती धारण करना शुभ होगा. इससे मन में शांति बनी रहेगी.

धनु और मीनः राशि जातक के लिए पुखराज फलदाई होता है. लाभ की बात करें तो गुरु ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है और सम्मान प्रसिद्धि मिलती है.

कुंभ और मकरः राशि के लिए नीलम धारण करना शुभ माना जाता है. जातक को शीघ्रता से उचाइयों पर पहुंचाने वाला है.

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

सिंहः राशि जातक को माणिक्य पहनना शुभ माना गया है. शीघ्र ही सरकारी सहायता मिलने की संभावना बनेगी और यश सम्मान में बढ़ोतरी होगी.

इस धनतेरस इन्हें मिलेगा विशेष लाभ

अब हम बात करें धनतेरस की तो रत्न खरीदी पर वृष, कन्या और कर्क राशि जातक को विशेष फल मिलने वाला है.

दिवाली पर करें इन खास चमत्कारी मंत्रों का जाप, कभी नहीं होगी पैसों की कमी

आचार्य पं. संजय वर्मा
9826380407
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)

12 नवंबर को रोशनी का त्योहार दिवाली मनाया जाएगा। यह त्योहार हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। धन की देवी लक्ष्मी स्वभाव से बहुत चंचल हैं, वे एक जगह पर ज्यादा देर तक नहीं ठहरती हैं। इसलिए नियमित रूप से देवी लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। जिस परिवार में क्लेश होता है, वहां से मां लक्ष्मी घर चली जाती हैं। दिवाली पर धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। भगवान गणेश और मां लक्ष्मी के साथ-साथ कुबेर देव की भी विधि-विधान से पूजा करें। पूजा के दौरान इन चमत्कारी मंत्रों का भी जाप करें।

1. गणेश मंत्र

श्री वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटी समप्रभा निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व-कार्येशु सर्वदा ?

2. ऋणहर्ता गणपति मंत्र

'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं चिरचिर गणपतिवर वर देयं मम वाँछितार्थ कुरु कुरु स्वाहा ।'

3. गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ?

ॐ महाकर्णाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ?

ॐ गजाननाय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात् ?

4. विघ्न नाशक मंत्र

गणपतिर्विघ्नराजो लम्बतुण्डो गजाननः ।

द्वैमातुरश्च हेरम्ब एकदन्तो गणाधिपः ?

विनायकश्चारुकर्णः पशुपालो भवात्मजः ।

द्वादशैतानि नामानि प्रातरुत्थाय यः पठेत् ?

विश्वं तस्य भवेद्वश्यं न च विघ्नं भवेत् क्वचित् ।

5. आर्थिक वृद्धि हेतु मंत्र

ॐ श्रीं गं सौम्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं में वशमानय स्वाहा।

6. कुबेर गणेश मंत्र

ॐ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा।

7. लक्ष्मी विनायक मंत्र

ॐ श्रीं गं सौम्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा?

8. लक्ष्मी गणेश ध्यान मंत्र

दन्ताभये चक्रवरौ दधानं, कराग्रगं स्वर्णघटं त्रिनेत्रम्।

धृताब्जयालिङ्गितमाब्धि पुत्र्या-लक्ष्मी गणेशं कनकाभमीडे?

9. ऋणहर्ता गणपति मंत्र

ॐ गणेश ऋणं छिन्धि वरेण्यं हुं नमः फट्?

10. कुबेर मंत्र

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये

धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा?

11. धन प्राप्ति हेतु कुबेर मंत्र

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः?

12. कुबेर अष्टलक्ष्मी धन प्राप्ति मंत्र

ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं कुबेराय अष्ट-लक्ष्मी मम गृहे धनं पुरय पुरय नमः?

13. कुबेर मंत्र जाप

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये?

धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा?

आम आदमी के आंसू निकाल रहा प्याज

सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी कम नहीं हो रहे दाम

नई दिल्ली । एजेंसी

प्याज के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। नवरात्र से प्याज की कीमतों में तेजी बनी हुई है। सरकार के तमाम प्रयास भी फेल साबित हुए हैं। कई कोशिशों के बाद भी कीमतों में बराबर तेजी बनी हुई है। कोलकाता के कई खुदरा बाजारों में गुरुवार को प्याज की कीमतें 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं। कोलकाता के खुदरा बाजारों में प्याज की न्यूनतम कीमत जहां 80 रुपये प्रति किलोग्राम है, वहीं पॉश इलाकों में स्थित कुछ बाजारों में यह 100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचा जा रहा है। देश के बाकी शहरों का हाल भी कुछ ऐसा ही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर के महीने में प्याज की कीमत दोगुनी हो गई है। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर के आंकड़ों के मुताबिक, देश की राजधानी दिल्ली में 1 अक्टूबर को प्याज की कीमत 38 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो 30 अक्टूबर को 78 रुपये तक पहुंच गई थी। जानकारों का मानना है कि ज्यादा बारिश की वजह से प्याज की फसल खराब हो गई थी। लिहाजा मार्केट में स्टॉक की शॉर्टेज दिखने को मिल रही है।

सरकार की कोशिशें फेल

केंद्र सरकार के मुताबिक, वह घरेलू बाजार में प्याज की कीमतों में स्थिरता लाने के लिए लिए प्याज के निर्यात और कीमतों पर सतर्कता से नजर रख रही है। केंद्र ने प्याज पर 800 डॉलर प्रति टन का मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस भी लगाया है, जो 29 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। इस कदम का उद्देश्य निर्यात को हतोत्साहित करना और घरेलू बाजार के लिए अधिक स्टॉक उपलब्ध रखना है। इधर खुदरा बाजारों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए बनाई गई पश्चिम बंगाल सरकार की टास्क फोर्स के सदस्यों को आशंका है कि काली पूजा, दिवाली और भाई फोटा (भाई दूज) के आगामी त्योहारी सीजन के दौरान कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसके बाद कीमतें कम हो सकती हैं।

प्रतिबंधों का असर नहीं

सरकार की ओर से प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध और बफर स्टॉक के निर्माण के बावजूद, प्याज की कीमतों में नरमी के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। अधिकांश मेट्रो शहरों में, बल्ब 80 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को छू गया है, और अधिक वृद्धि की उम्मीद है। इस बात पर एक नज़र डालें कि सरकार द्वारा बार-बार किया गया हस्तक्षेप रसोई के मुख्य उत्पादों की कीमत को कम करने में क्यों विफल रहा है। पिछले कुछ महीनों में केंद्र सरकार ने प्याज की कीमत पर नियंत्रण के लिए लगातार कदम उठाए हैं। घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता बढ़ाने के लिए अगस्त में 40 फीसदी का निर्यात शुल्क लगाया गया था। हालांकि इस कदम से निर्यात पाइपलाइन बाधित हो गई, लेकिन थोक और खुदरा बाजार दोनों में प्याज की कीमतों में उछाल जारी रहा है। 28 अक्टूबर को, सरकार ने एक और कार्रवाई की और 800 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगा दिया।

बफर स्टॉक

ये कदम तब उठाए गए हैं जब सरकार ने प्रभावी रूप से राष्ट्रीय सहकारी कृषि विपणन महासंघ (NAFED) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (NCCF) जैसी एजेंसियों के साथ 5 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाया है, जो फार्म गेट पर प्याज की खरीद कर रही है। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सरकार ने 28 अक्टूबर तक 1.70 लाख टन खरीदे गए प्याज को उतार दिया है और 2 लाख टन और खरीदने की योजना है। भारत औसतन 250 लाख टन बल्ब का उत्पादन करता है, जबकि घरेलू खपत 160 लाख टन आंकी गई है।

क्यों बढ़ रहे दाम

जानकारों के मुताबिक, बाजार में प्याज की कीमतें सामान्य से अधिक होने के लिए मानसून का देर से आना और साल की शुरुआत में कटी हुई फसल का व्यापक नुकसान जिम्मेदार है। महाराष्ट्र में किसान रबी प्याज की कटाई दिसंबर-जनवरी में करने के बाद मार्च के बाद करते हैं। यह प्याज, जिसमें नमी की मात्रा कम है। इस साल मार्च में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से इस फसल को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। भंडारण के लिए रखा गया लगभग 60 प्रतिशत प्याज खराब हो गया था और अप्रैल-मई में किसानों ने इसे औने-पौने दाम पर बाजार में उतार दिया था।

कब स्थिर होंगी प्याज की कीमतें?

अभी प्याज की कीमतों में नरमी के कोई आसार नहीं हैं। प्याज की फसलों में देरी का असर भी दाम पर पड़ा है। जिसकी वजह से लोकल प्याज की कीमत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। बाजार में प्याज की सप्लाई बाधित हुई , जिसका असर दाम पर पड़ा। जानकारों की माने तो नवंबर-दिसंबर तक बाजार में नया माल आ जाएगा। नए माल के आने तक प्याज की कीमत कम होने की उम्मीद नहीं है।

भारत और ग्रीस के साथ बढ़ेगा सहयोग, खेती-बारी और पशुपालन के साथ इन क्षेत्रों में

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में भले ही औद्योगिक उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही सर्विस सेक्टर का तेज विकास हो रहा है। लेकिन अभी भी देश की अधिकतर

जनसंख्या को रोजगार के साथ-साथ भोजन भी कृषि क्षेत्र से ही मिल रहा है। इसलिए इस क्षेत्र में नई तकनीक लाने के लिए सरकारी स्तर पर काफी प्रयास हो रहा है। इसी दिशा में एक मजबूत कदम ग्रीस सरकार ने उठाया है। ग्रीस सरकार भारत में कृषि प्रौद्योगिकी को अपनाने, स्किल्ड मैनपावर के आदान-प्रदान, कृषि पर आधारित कारोबार को बढ़ावा देने के साथ साथ पशु विज्ञान को बढ़ावा देने पर सहमत हुई है। इसके लिए भारतीय एफएमसीजी कंपनी बीएल एग्रो के साथ बातचीत कर रही है।

ग्रामीण विकास मंत्री ने की मुलाकात

ग्रीस में हेलेनिक गणराज्य के ग्रामीण विकास और खाद्य मंत्री एलिफथेरियस एवगेनाकिस पिछले दिनों नई दिल्ली आए थे। उन्होंने भारत में ग्रीस के राजदूत दिमित्रियोस लोनौ के साथ बीएल एग्रो के मैनेजिंग डाइरेक्टर आशीष खंडेलवाल और लीड्स कनेक्ट सर्विसेज के सीएमडी नवनीत रविकर से मुलाकात की थी। इस दौरान एलीफथेरियस एवगेनाकिस ने कहा कि वह भारत के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। ग्रीस भारत के एग्रीकल्चर सेक्टर, पशुपालन, मछली पालन, फूड प्रोसेसिंग आदि में सहयोग करना चाहता है। इस रणनीतिक साझेदारी से भारत और ग्रीस में किसानों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को फायदा होना चाहिए।

ग्रीस के मंत्री से सार्थक बातचीत हुई

इसी कार्यक्रम के अवसर पर पत्रकारों से अलग से बातचीत में बीएल एग्रो ग्रुप की एक कंपनी लीड्स कनेक्ट सर्विसेज के सीएमडी नवनीत रविकर ने बताया कि ग्रीस के मंत्री से उनकी सार्थक बातचीत हुई। वह भारत में कृषि एवं कुछ अन्य क्षेत्रों में सहयोग के अवसर खोज रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीस सरकार हमारी तकनीक को अपने यहां उपयोग करना चाहती है। वह यहां के स्किल्ड मैनपावर का उपयोग ग्रीस में करना चाहते हैं। साथ ही इस क्षेत्र में उपयोग होने वाले बेहतर तकनीक से जलवायु परिवर्तन के खतरों से निबटने में भी मदद मिलेगी।

बढ़ेगा द्विपक्षीय व्यापार

रविकर ने यह भी कहा कि वे ग्रीस से फ़ेटा चीज़ , जैतून का तेल और वाइन (ंग्हा) आयात करना चाहते हैं। साथ ही भारत से उच्च गुणवत्ता वाले बाजरा , बासमती चावल, मसाले और अन्य कृषि उत्पादों का निर्यात करने के विकल्प तलाश रहे हैं। हाल ही में, बीएल एग्रो ने आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भोजन किट प्रदान करने के लिए ग्रीस स्थित सालास इंटरनेशनल ग्रुप के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाया है, जो यूरोप में सबसे बड़ी सहायता प्रदान करने

चीन से बोरिया बिस्तर समेटकर भाग रहे हैं निवेशक

25 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश चीन के आर्थिक हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं। लाख कोशिशों के बाद भी चीन की सरकार विदेशी कंपनियों और निवेशकों का भरोसा जीतने में नाकाम रही है। विदेशी निवेशक तेजी से चीन से पैसा निकालने में लगे हैं। यही वजह है कि 25 साल में पहली बार देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआई गेज माइनस में चला गया है। यह एफडीआई को मापने का पैमाना है जो 1998 के बाद पहली बार माइनस में गयाहै। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक तीसरी तिमाही में डायरेक्ट इनवेस्टमेंट लायबिलिटीज माइनस 11.8 अरब डॉलर रही जो पिछले साल समान तिमाही में 14.1 अरब डॉलर रही थी। इसका मतलब है कि विदेशी कंपनियां चीन में निवेश करने के बजाय अपना पैसा निकालने में लगी हैं।

स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेन एक्सचेंज (SAFE) के आंकड़ों में यह बात सामने आई है। डायरेक्ट इनवेस्टमेंट लायबिलिटीज में विदेशी कंपनियों के ऐसे प्रॉफिट को भी शामिल किया जाता है जिसे अब तक विदेश नहीं भेजा गया है या शेयरहोल्डर्स के बीच नहीं बांटा गया है। साथ ही इसमें फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस में विदेशी निवेश को भी शामिल किया जाता है। चीन में एफडीआई की थाह बताने वाले पैमाने में भी साल के पहले नौ महीने में 8.4 परसेंट गिरावट आई है। पहले आठ महीने में यह 5.1 परसेंट थी।

चीन और अमेरिका में तनाव

चीन की इकॉनमी को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही चीन और अमेरिका के बीच लंबे समय से तनातनी चल रही है। इससे विदेशी निवेशक और कंपनियां बुरी तरह घबराई हुई हैं और वहां से अपना पैसा निकाल रही हैं। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ङ्हुर्ल्ं ने भी चीन से बोरिया बिस्तर समेट लिया है। कंपनी ने कहा है कि वह दिसंबर तक शंघाई में अपना दफ्तर बंद कर देगी। कंपनी ने चीन में अपने जॉइंट वेंचर की हिस्सेदारी स्थानीय कंपनी को बेच दी है।

इकॉनमी में जान फूंकने के सरकार के सारे प्रयास नाकाम हुए हैं। पिछले महीने सरकार ने 137 अरब डॉलर का सॉवरेन बॉन्ड मंजूर किया था। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए किया जाएगा। सितंबर में सरकार ने देश के दो सबसे बड़े शहरों बीजिंग और शंघाई में कैपिटल कंट्रोल में भी ढील देने की घोषणा की थी ताकि विदेशी निवेशक आसानी से देश से अपना पैसा ला सकें और ले जा सकें। चीन के प्रमुख बैंक ने भी विदेशी निवेशकों की चिंताओं को दूर करने के लिए कई टॉप वेस्टर्न कंपनियों से बात की है। लेकिन विदेशी कंपनियां इस बात से घबराई हुई हैं कि चीन की सरकार ने उनकी निगरानी बढ़ा दी है।

फोनपे का धनतेरस और दिवाली पर कैशबैक ऑफर

24K डिजिटल गोल्ड पर की घोषणा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फोनपे ने धनतेरस और दिवाली 2023 के त्योहारी के अवसर पर 24K सोने पर रोमांचक कैशबैक ऑफर की घोषणा की है। फोनपे से कम से कम 1000 रुपये का डिजिटल सोना खरीदने वाले ग्राहक को 3000 रुपये तक की गारंटीड कैशबैकङ का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर 9 नवंबर से 12 नवंबर, 2023 तक सभी एक बार लेनदेन (प्रति यूजर एक बार) के लिए मान्य है। भारत में 19,000+ पोस्टल कोड के 1 करोड़ से अधिक ग्राहकों ने फोनपे प्लेटफॉर्म पर पारदर्शी कीमतों पर उच्च शुद्धता वाला 24ख सोना खरीदा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि फोनपे प्रमुख डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म है जो अग्रणी और विश्वसनीय भागीदारों से 99.99ङ शुद्धता-प्रमाणित 24ख डिजिटल सोना प्रदान करता है। ग्राहक शून्य मेकिंग शुल्क के साथ डिजिटल रूप से प्रमाणित 24ख सोना खरीद सकते हैं, और निःशुल्क स्टोरेज के लिए बीमाकृत बैंक-ग्रेड गोल्ड लॉकर का उपयोग करके लाभ उठा सकते हैं। फोनपे पर डिजिटल सोना खरीदने के कुछ अन्य लाभों में 24*7 घर बैठे खरीदारी की सुविधा शामिल है। ग्राहक अपने स्टोर किये गए सोने को किसी भी समय बेचने का विकल्प चुन सकते हैं, और पैसा 48 घंटों के भीतर उनके बैंक खातों में जमा हो जाएगा। ग्राहकों के पास अपनी पसंद की किसी भी राशि के लिए डिजिटल गोल्ड में निवेश करने की सुविधा भी है। एक-बार के खरीद के अलावा, फोनपे प्रत्येक भारतीय को SIP के माध्यम से डिजिटल रूप से सोने में निवेश करने का अधिकार देता है ताकि ग्राहकों को व्यवस्थित रूप से दीर्घकालिक निवेश करने में मदद मिल सके। यह ऑफर 9 नवंबर से 12 नवंबर, 2023 तक न्यूनतम 1000 रुपये का डिजिटल सोना खरीदते समय फोनपे पर सभी एक बार के लेनदेन (प्रति यूजर एक बार) के लिए मान्य है।

कोस्टा कॉफी ने दिवाली कैम्पेन लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में कमर्शियल बेवरेज कैटेगरीज़ में कोका-कोला का अग्रणी कॉफी ब्राण्ड कोस्टा कॉफी इस साल के अपने दिवाली कैम्पेन #CostaWaliDiwali को लॉन्च करके उत्साहित है। यह लॉन्च शिवेश भाटिया के साथ भागीदारी में किया गया है, जोकि एक जाने-माने बेकर और कंटेन्ट क्रियेटर हैं। यह दोनों मिलकर कॉफी के शौकीनों के लिये दिवाली से प्रेरित एक यादगार मेन्यू लेकर आ रहे हैं। यह गठजोड़ एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करता है, जिसमें दिवाली की पारंपरिक भावना को कोस्टा कॉफी के आधुनिक एवं अभिनव उत्साह के साथ आसानी से मिलाया गया है।

दिवाली के जोश से भरे फ्लेवर और त्यौहार का उत्साह अपनाने के लिये कोस्टा कॉफी गर्व से ब्लिस्टाचियो रोज़ बेवरेज फैमिली की पेशकश कर रही है। भारत की पारंपरिक मिठाई से प्रेरित होकर यह बेजोड़ कलेक्शन इन सदाबहार फ्लेवर्स को आधुनिक अवतार में लेकर आया है और नवाचारों पर आधारित है। खुश कर देने वाली इस रेंज में तीन स्वादिष्ट विकल्प हैं: ब्लिस्टाचियो रोज़ हॉट लैट्टे, ताजगी देने वाली ब्लिस्टाचियो रोज़ आइस्ड कैप्पुचिनो और ललचाने वाली ब्लिस्टाचियो रोज़ बोबा फ्रैप्पे (कॉफी के साथ या बिना उपलब्ध)।

लिमिटेड-एडिशन ब्लिस्टाचियो रोज़ फैमिली के लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, विनय नायर, नरल मैनेजर, भारत एवं इमर्जिंग इंटरनेशनल, कोस्टा कॉफी, कोका-कोला कंपनी ने कहा, 'कोस्टा कॉफी में हम अपनी कॉफी के जरिये सांस्कृतिक समृद्धि को अपनाने और उसका उत्सव मनाने के लिये समर्पित हैं। इस दिवाली, ब्लिस्टाचियो रोज़ कलेक्शन के लॉन्च के लिये शिवेश भाटिया के साथ हमारा गठजोड़ अपने उपभोक्ताओं के लिये अनूठे अनुभव निर्मित करने के लिये हमारी प्रतिबद्धता दिखाता है। परंपरा और आधुनिक रचनात्मकता का यह कुशल मिश्रण उस स्वाद के अनुसार है, जो हर कप में दिवाली की की समृद्धि का उत्सव मनाता है।'

आम जनता कों मिलेगा 'भारत आटा' इतनी होगी कीमत

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देशभर में आटे की कीमतें तेजी से बढ़ती जा रही है। स्थिति यह है कि आज लगभग 35 से 40 रुपए किलो आटा बाजार में बिक रहा है और कीमतें हर दिन बढ़ती जा रही हैं। इसकी वजह से गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों के लिए महीने भर का आटा खरीदना भी किसी चुनौती से काम नहीं रह गया है।

वहीं जब हम दुनिया भर में गेहूं की पैदावार की बात करते हैं तो हम दुनिया के टॉप तीन देशों में आते हैं जहां पर सबसे ज्यादा गेहूं का उत्पादन होता है। बावजूद इसके बाजार तक पहुंचते-पहुंचते आटे की कीमत आसमान छूने लग जाती है, और इसी को देखते हुए अब भारत सरकार ने एक बड़ी तैयारी कर ली है।सरकार ने आधिकारिक तौर पर पूरे देश में 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर उच्च गुणवत्ता वाला 'भारत आटा' सबके लिए ला रही है।

इस पहल को NAFED, NCCF और केन्द्रीय भंडार जैसी सहकारी समितियों के माध्यम से इन एजेंसियों के 800 मोबाइल वैन और 2000 से अधिक आउटलेट्स का उपयोग करके आम लोगों तक पहुंचाया जाएगा।'भारत आटा' की कीमत मौजूदा बाजार दर से काफी कम रखी गई है। इसके अतिरिक्त, सरकार बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए रियायती दरों पर चना दाल और प्याज भी मुहैया कराने पर विचार कर रही है। इसके साथ ही कुछ दालें भी इन आउटलेट में सस्ती कीमतों में आम लोगों के लिए उपलब्ध करवाई जाएंगी

बच्चों के लिए हिमालया टूथपेस्टः फन, फ्लेवर, एंड ऑरल हेल्थ का परफेक्ट ब्लेंड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के प्रमुख वैलनेस ब्रांड, हिमालया वैलनेस कंपनी ने बच्चों के स्वाद व् स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए तीन रोमांचक नए स्वादोंः ऑरेंज, कूल मिंट और बबल गम के साथ हिमालया किड्स टूथपेस्ट बाजार में प्रवेश की घोषणा की है। हिमालया कंपनी का पर्सनल केयर मार्किट में एक जाना पहचाना नाम है । यह टूथपेस्ट माता-पिता को उनके बच्चों के दांतों की सर्वोत्तम देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नेचुरल तत्वों से बना यह टूथपेस्ट बच्चों के दांतो के लिए कोमल, प्रभावी और सुरक्षित है। प्राकृतिक कैविटी सुरक्षा के साथ हिमालया किड्स टूथपेस्ट प्राकृतिक तत्वों को मिला कर बनाया गया है। इसे बिना किसी केमिकल के तैयार किया गया है। इसमें कोई अतिरिक्त चीनी, आर्टिफिशल फ्लेवर या प्रेज़रवेटिव नहीं हैं, जिसकी वजह से यह बच्चों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ ऑरल सोल्युशन है। फ्लोराइड मुक्त टूथपेस्ट विशेष रूप से बच्चों की ऑरल स्वच्छता की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हिमालया किड्स टूथपेस्ट उन माता-पिता के लिए एक आदर्श विकल्प है जो अपने बच्चों के लिए एक सुरक्षित और विश्वसनीय ऑरल देखभाल प्रोडक्ट की तलाश कर रहे हैं। बच्चों के दांतों का इनेमल पतला होता है, जिससे वे बैक्टीरिया से होने वाली हानि के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाते हैं, जिससे अंततः दांतों में छेद और सड़न हो जाती है। बच्चों में दंत समस्याएं दर्द और इन्फेक्शन का कारण बन सकती हैं, और इस से उनके खाने, सोने और ठीक से बोलने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती हैं। टूथपेस्ट में उपयोग किए जाने वाले प्राकृतिक तत्वों में नीम, अनार और जाइलिटोल शामिल हैं। यह प्राकृतिक तत्व दांतों और मसूड़ों के समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए कैविटी, प्लाक, कीटाणुओं और सांसों की दुर्गंध से बचाने में मदद करते हैं।

नए प्रोडक्ट लॉन्च के बारे में बोलते हुए, श्री चक्रवर्ती एन.वी., डायरेक्टर - बेबीकेयर, हिमालया वैलनेस कंपनी, कहते हैं, ' हिमालया में, हमने हमेशा अपने ग्राहकों के लिए सुरक्षित और प्रभावी केयर सोल्युशन प्रदान करने के लिए प्रकृति की अच्छाई में विश्वास किया है। हमारी नई टूथपेस्ट रेंज लॉन्च के साथ हम बच्चों की ऑरल देखभाल के लिए अपनी प्रतिबद्धता बढ़ा रहे हैं। हम समझते हैं कि बच्चों के दांत और मसूड़े संवेदनशील होते हैं और अच्छी ऑरल स्वच्छता बनाए रखना उनके स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। हिमालया किड्स टूथपेस्ट रेंज विशेष रूप से बच्चों की ओरल हेल्थ और स्वाद के हिसाब से तैयार की गई है। यह बच्चों की ऑरल स्वच्छता ज़रूरतों के लिए एक कोमल , स्वस्थ और सुरक्षित समाधान है। इसके साथ ही इसके रोमांचक स्वाद बच्चों के लिए इस टूथपेस्ट के साथ तालमेल बिठाना आसान बनाते हैं । हमें विश्वास है कि यह प्रोडक्ट माता-पिता को उनके बच्चों की ऑरल देखभाल के लिए सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा और बच्चों के समग्र दंत स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करेगा।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।